a. ये तङ्काति Sam. — Вилктр. 2,73 lith. Ausg. III. a. एके st. एते, परित्यज्यते st. परित्यज्य ये. c. मानव st. मानुष, स्वार्थ विनिच्चति ये. a. ये निच्चति.

581. = Рказайдавн. 3, а. b. विनयं. Внактр. 2,81 lith. Ausg. III. с. प्रभवीत्र्धर्मस्य.

588. Çатака́v. 14. а. प्न: st. म्या.

593. Çатака́v. 38. а. मह्यै: st. महा:

600. Vgl. Spruch 4933.

605. = Prasangabu. 10, a. d. किमदेयं म .

608. = Каунтамятак. 85. а. कर्तच्याणि. b. Gleichfalls बलानि. d. मूर्यिकन.

610. d. विभाव्यत Comm. zu Kâm. Nîtis.

611. = Уводна-Ка́м. 13,18. с. d. सुधिया चार्याः सुविचार्येव कुर्विति.

615. = Vяррна-Ка́м. 10,4. b. und d. wechseln die Stelle. b. भद्यात.

618. Сатака́у. 32. а. मां प्रति द्वतवाचं. с. पुनर्व यतस्तपस्वी.

620. Вилктя. 1,91 lith. Ausg. III. с. चार st. चार.

627. = Çuk. ed. Bomb. S. 20. b. शातिः st. दातिः, कामीपशातिः

630. Çатакâv. 4. a. म्रवन्ड st. म्रवन्ड. d. स्वपन wie bei uns.

642. Внактр. 1,85 lith. Ausg. III. b. स्तान st. जुन्न.

645. a. कार्णिश्चैव Comm.

647. Vgl. Spruch 3985.

652. 653. Vgl. MBn. 11,69 = Vผมมหาค์สำ. 6,7: काल्: पचित भूतानि कालः संक्र् रते प्रजाः । कालः सुत्रेषु जागिति (auch जागिति) कालो कि द्वरतिक्रमः ॥

670. = Vṛṇṇṇ-Kʌṇ. 8,19. b. विद्याक्तिनेन देकिनां. c. d. डुब्कुलीना ऽपि विडुषा देवैरपि मुपूड्यते. Vgl. zu diesem und zum folg. Spruche Spruch 3927.

672. Çатака̀v. 92. с. उत्सृतन्ट् मनसा.

675. = Удрона-Кар. 3,17. d. विद्याम्यते und विद्यम्यते st. विद्यपते.

676. = Удодна-Кар. 4,9 (8). b. या न देगियी न गुर्विणी.

677. = Vrddha-Kan. 16,12. с. Gleichfalls तु st. त्र.

681. Bhartr. 2,78 lith. Ausg. III. b. यत्र श्रिताश्च.

690. = Vярона-Ка́я. 4,8 (7). а. कुलक्तिमेंवा st. कुलनस्य मेवा. с. पुत्रश्च मूर्वी. а. पट्टर्कित कार्य (auch कार्या) st. मंद्रुते श°. Вонть. — Ка́я. VIII Çl. 9 (= Gалая. Varr. 327):

ब्द्रियः च्याः म्याः क्रियः क्रियः क्रियः च्याः प्रतः । । यः व्याः स्रोतः स्रोतः प्रतः प्रतः प्रतः विदः प्रतः व